

भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3261

जिसका उत्तर शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरकों की उपलब्धता और पहुंच

3261. श्री विष्णु दत्त शर्मा:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में पोषक तत्व आधारित राजसहायता (एनबीएस), यूरिया राजसहायता और 'एक राष्ट्र एक उर्वरक' पहलों के तहत उर्वरकों की उपलब्धता और पहुंच के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो विशेष रूप से खजुराहो लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या उर्वरक आपूर्ति में देरी, अपर्याप्त भंडारण तथा उर्वरक बिक्री केंद्रों की अधिक दूरी के कारण खरीफ और रबी की अल्प बुआई अवधि के दौरान किसान प्रभावित हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार का ब्लॉक-स्तरीय बफर स्टॉक, अग्रिम मौसमी आवंटन, सुदृढ़ ग्रामीण वितरण तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रोत्साहन को शामिल करते हुए 'बुंदेलखंड उर्वरक लॉजिस्टिक्स योजना' लागू करने का विचार है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ड.): बुंदेलखंड क्षेत्र सहित देश में उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक मौसम में निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

- (i) प्रत्येक फसल मौसम के प्रारंभ होने से पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएण्डएफडब्ल्यू) सभी राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है। डीएण्डएफडब्ल्यू द्वारा अनुमानित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग

मासिक आपूर्ति योजना जारी करते हुए राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

(ii) देश भर में सब्सिडी प्राप्त सभी प्रमुख उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है।

(iii) यूरिया और अन्य उर्वरकों की मांग (आवश्यकता) और उत्पादन के अंतर को आयात द्वारा पूरा किया जाता है। मौसम के लिए आयात को पहले ही निश्चित कर लिया जाता है ताकि समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

(iv) राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि वे समय पर मांगपत्र जारी करके आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने के लिए उत्पादकों और आयातकों के साथ समन्वय स्थापित करें।

(v) राज्यों के लिए रेलगाड़ियों के पर्याप्त रैक देने, उर्वरकों को प्राथमिकता देने और रेलगाड़ियों की समय पर निकासी के लिए रेल मंत्रालय के साथ नियमित समन्वय किया जाता है।

(vi) राज्य के भीतर जिला/ब्लॉक स्तर पर उर्वरकों का वितरण संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त को देखते हुए, रबी मौसम 2025-26 और चल रहे खरीफ मौसम 2026 के दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र में उर्वरकों जैसे यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की उपलब्धता पर्याप्त रही है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार चल रहे खरीफ मौसम 2026 के दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता की स्थिति के बारे में जानकारी **अनुलग्नक** में दी गई है।

इसके अलावा, मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि वे पीएसीएस, मार्कफेड, एमपी एगो और अधिकृत निजी डीलरों के माध्यम से उर्वरकों के वितरण की व्यवस्था करते हैं। उर्वरकों के वितरण की निगरानी ई-विकास (वितरण और कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली के माध्यम से भी की जा रही है, जो स्रोत/उत्पादन केंद्र से खुदरा स्तर तक उर्वरक के संचलन और किसानों की भूमि और फसल की आवश्यकताओं के अनुसार वितरण की निगरानी के लिए बनाया गया है। खजुराहो संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में, उर्वरक की उपलब्धता की निगरानी संबंधित जिला प्रशासन और कृषि/सहकारी तंत्र द्वारा की जा रही है।

इसके अलावा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों ने सूचित किया है कि वर्तमान में, औपचारिक रूप से अधिसूचित "बुंदेलखंड उर्वरक लाजिस्टिक्स योजना" को एक स्टैंडअलोन स्कीम के रूप बनाने हेतु कोई अलग से प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

यह अनुलग्नक 07.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.3261 के उत्तर के भाग (क) से (ड.) तक के लिए है।

उत्तर प्रदेश के बृंदेलखंड क्षेत्र में खरीफ़ 2026 सीज़न के दौरान उर्वरक की उपलब्धता की स्थिति (05.08.2026 तक) - आंकड़े मीट्रिक टन में

[illegible]

मध्य प्रदेश के बंडेलखंड क्षेत्र में खरीफ 2026 सीज़न के दौरान उर्वरक की उपलब्धता की स्थिति (04.08.2026 तक)

[illegible]

